(50)

परियोजना का नाम :–प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत नौगांव से भंकोली मोटर मार्ग का निर्माण (लम्बाई 4.00 किमी०) हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव (कुल वन भूमि 1.7915 है०)।

भू–वैज्ञानिक की आख्या

भू–वैज्ञानिक आख्या संलग्न है।

कनिष्ठ अभियन्ता, पी0 एम0 जी0 एस0 वाई0, सिंचाई खण्ड, उत्तरकाशी	सहायक अभियन्ता, पी0 एम0 जी0 एस0 वाई0, सिंचाई खण्ड, उत्तरकाशी	अधिशासी अभियन्ता, पी0 एम0 जी0 एस0 वाई0, सिंचाई खण्ड, उत्तरकाशी

(51)

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर –।
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

भू – गर्भीय निरीक्षण आख्या एस0जी0 – 24/सड़क समरेखण/गढ़वाल/2009

डोडीताल मोटर मार्ग, जिला उत्तरकाशी, का नौगांव से भंकोली तक के समरेखण स्थल की भूगर्भीय आख्या

दिसम्बर 09

गंगोरी डोडीताल मोटर मार्ग, जिला उत्तरकाशी, का नौगांव से भंकोली तक के समरेखण स्थल की भूगर्भीय आख्या

1. प्रस्तावना :– प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, भटवाड़ी द्वारा जिला योजना अन्तर्गत गंगोरी डोडीत मोटर मार्ग का नौगांव से भंकोली तक, लम्बाई 4.00 किमी0 का निर्माण प्रस्तावित है। अधिशासी अभिय प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, भटवाड़ी के अनुरोध पर उक्त मोटर मार्ग के प्रस्तावित स्थल के दो वैकल्पि समरेखणों का भूगर्भीय निरीक्षण, अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 21.11.09 को सम्बन्धित सहायक अभिय इ0 जफर अली एवं कनिष्ठ अभियन्ता श्री एल0एम0 सिंह बिष्ट के साथ किया गया, जिसमें समरे नं0–01 भूगर्भीय दृष्टि से उचित पाया गया।

2. स्थिति :– प्रस्तावित मार्ग जिला उत्तरकाशी के भटवाड़ी क्षेत्र के अन्तर्गत प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डोडीताल समीप नौगांव–भंकोली गांव से होकर गुजरता है। इस समरेखण का प्रारम्भिक बिन्दु पूर्व में स्वीकृत प्रस्तावित राज्य योजना के अन्तर्गत भंकोली मोटर मार्ग का द्वितीय कार्य के अन्तिम बिन्दु 17/40 से प्रा होता है। इस समरेखण सामान्य ढाल 1:20 राईज में है। इस समरेखण में कोई भी हियर पिन बैण्ड पड़ता है। यह समरेखण प्रारम्भिक बिन्दु से अन्तिम बिन्दु तक वनभूमि एवं नाप भूमि से होकर गुजरता है

3. भूगर्भीय स्थिति :– यह समरेखण मध्य हिमालय के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित है, जिसमें गामरी क्वार्टजाइ के शैल विद्यमान है। इस क्षेत्र में मुख्यतः गढ़वाल ग्रुप के शैल quartzites, phyllites, chlor schist & metabasics से बने हुए है। प्रस्तावित समरेखण में मुख्यतः quartzites दृष्टिगोचर होते जो कि hard, compact तथा चार संधिओं से युक्त है। इन quartzites का weathering gra W0-W1 तक आंका गया। नौगांव के समीप पुरातन glacial avalanche दृष्टिगोचर है, जो मुख्य huge scanty boulders of irratic pattern के material से निर्मित है। नौगांव huge debr deposit के ऊपर बसा हुआ है, जिसके ढाल 45°–65° के कोण लिये हुए N290 दिशा में झुके हुए समरेखण क्षेत्र के ढाल के तल पर नौगांव गाड (antecedent) उत्तर से दक्षिण दिशा की तरफ dee inceised pattern में बहती है तथा इसके बाएं तट पर हनुमान गंगा लगभग 90° का कोण बनाते मिलती है। हनुमान गंगा का प्रवाह एक master joint set द्वारा नियंत्रित है (CH. 475 mtr.)। भंको गांव के समीप किमी0 3.00 पर historical landslide दृष्टिगोचर है, इस slide का material वर्त

PC Attested

क्रमशः पेज-2

सहायक अभियन्ता III
सिंचाई खण्ड लो0 नि0 वि0
उत्तरकाशी

में angle of repose की स्थिति attain कर चुका है। प्रस्तावित मार्ग के सर्वेक्षण का अधिकतम भाग hard, compact quartzites से होकर गुजरेगा, जिनकी strength 100 M Pa से अधिक आंकी गई (ISRM manual index)। सर्वेक्षण क्षेत्र में पड़ने वाले शैलों पर किया गया अध्ययन निम्न प्रकार है:–

1. S0 (bedding) = 45°-75° /N325-N350
2. J (joint) = 75° - 85° /N010-N090 (master joint set)
3. J (joint) = 56°-60° /N210-N240
4. J (joint) = 60°-75° /N110-N140 (making wedge with joint set No.01)

4. सुझाव :–

1. चटटानों की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिये इन चट्टानों पर सीमित विस्फोट किये जाये।
2. गांव के समीप विस्फोट न किये जाये।
3. सड़क की स्थिरता के लिए उचित drainage की व्यवस्था की जाये।
4. जहां पर आवश्यकता हो, रिटेनिंग/ब्रैस्ट वॉल का निर्माण किया जाये।
5. मार्ग में पड़ने वाले नालों पर पुल, कॉजवे/स्कपर का निर्माण किया जाये।
6. पहाड़ी क्षेत्र में बनने वाले मार्गो के लिए निर्धारित मानकों का पालन किया जाएं।

5. निष्कर्ष:– सर्वेक्षण स्थल पर किए गए भूगर्भीय अध्ययन के आधार पर उपरोक्त सुझाव का अनुपालन करते हुए यह सर्वेक्षण मार्ग बनाने हेतु उपयुक्त है।

04/11/2019

(विजय डंगवाल)
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर-।,
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

PC Attested

सहायक अभियन्ता III
सिंचाई खण्ड लो0 नि0 वि0
उत्तरकाशी